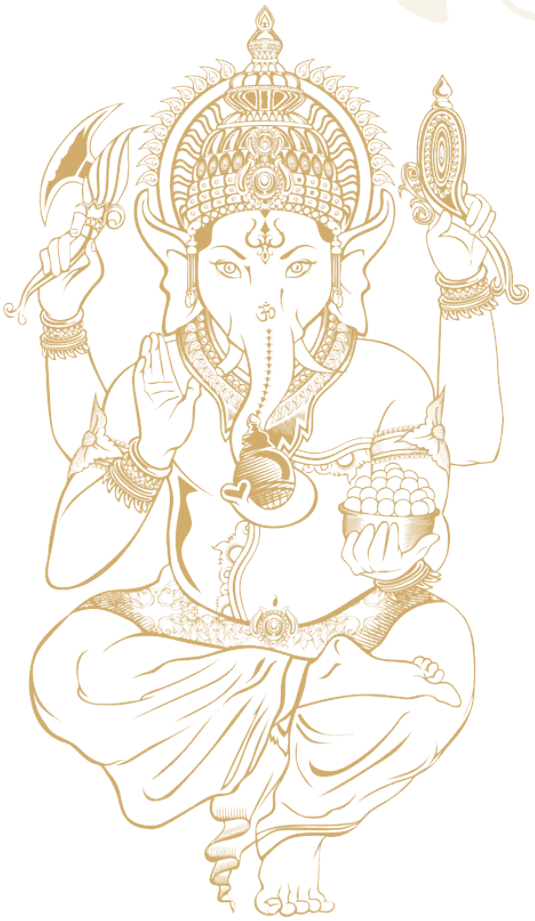

Mr. Ivanshh Srivastava

06 Dec 2022

05:35 PM

Gurgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 120697905

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/12/2022**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:35:00 घंटे**
इष्ट	26:25:46 घटी
स्थान	**Gurgaon**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:13:04 घंटे
वेलान्तर	00:09:04 घंटे
साम्पातिक काल	22:14:06 घंटे
सूर्योदय	07:00:41 घंटे
सूर्यास्त	17:25:13 घंटे
दिनमान	10:24:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:09:46 वृश्चिक
लग्न के अंश	23:37:37 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शिव
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	23:37:37	353:10:14	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	---
सूर्य			वृश्चि	20:09:46	01:00:53	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	01:18:56	12:26:25	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल	व		वृष	22:35:25	00:23:10	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध			धनु	05:11:59	01:29:49	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
गुरु			मीन	04:53:48	00:02:35	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			धनु	01:14:08	01:15:17	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि			मक	26:02:46	00:04:15	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु	व		मेष	19:03:46	00:01:33	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	19:03:46	00:01:33	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
हर्ष	व		मेष	21:40:15	00:02:05	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप			कुंभ	28:28:22	00:00:05	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			मक	02:44:39	00:01:32	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	07:19:49	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:26

लग्न-चलित

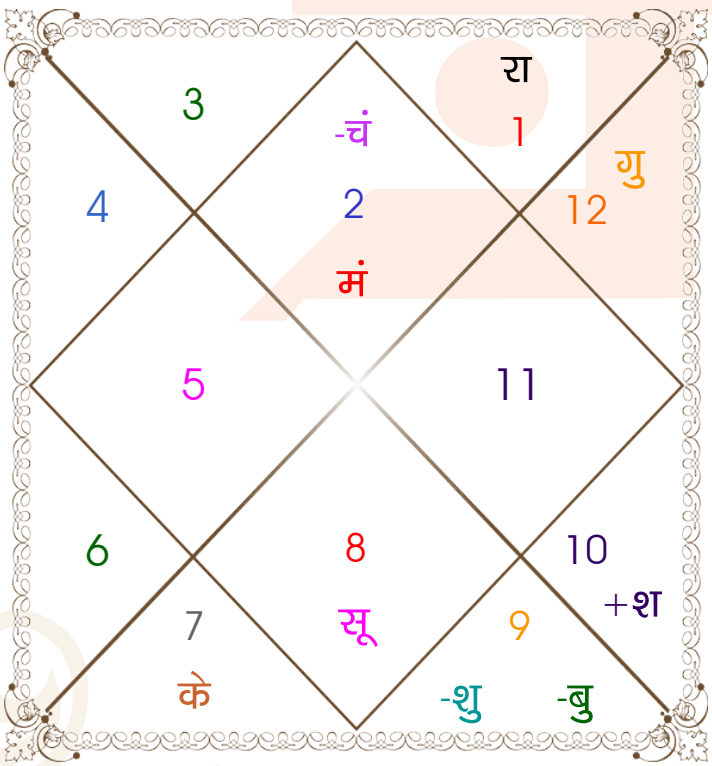

चन्द्र कुंडली

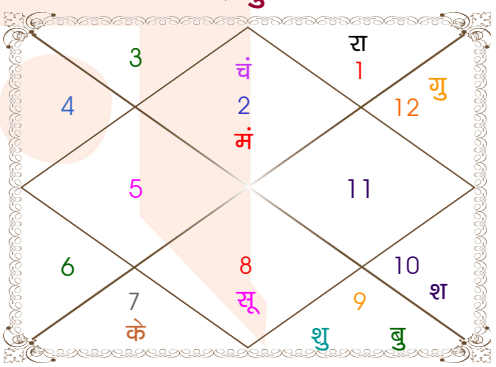

नवमांश कुंडली

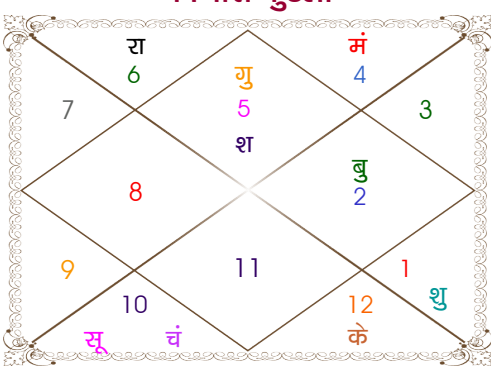

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 10 मास 27 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/12/2022		03/11/2026		02/11/2036		03/11/2043		02/11/2061	
03/11/2026		02/11/2036		03/11/2043		02/11/2061		02/11/2077	
	00/00/0000	चंद्र	03/09/2027	मंगल	31/03/2037	राहु	16/07/2046	गुरु	22/12/2063
	00/00/0000	मंगल	03/04/2028	राहु	19/04/2038	गुरु	09/12/2048	शनि	04/07/2066
	00/00/0000	राहु	03/10/2029	गुरु	26/03/2039	शनि	16/10/2051	बुध	09/10/2068
	06/12/2022	गुरु	02/02/2031	शनि	04/05/2040	बुध	04/05/2054	केतु	15/09/2069
गुरु	09/09/2023	शनि	02/09/2032	बुध	01/05/2041	केतु	23/05/2055	शुक्र	16/05/2072
शनि	21/08/2024	बुध	02/02/2034	केतु	27/09/2041	शुक्र	22/05/2058	सूर्य	04/03/2073
बुध	28/06/2025	केतु	03/09/2034	शुक्र	27/11/2042	सूर्य	16/04/2059	चंद्र	04/07/2074
केतु	02/11/2025	शुक्र	04/05/2036	सूर्य	04/04/2043	चंद्र	15/10/2060	मंगल	10/06/2075
शुक्र	03/11/2026	सूर्य	02/11/2036	चंद्र	03/11/2043	मंगल	02/11/2061	राहु	02/11/2077

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/11/2077		02/11/2096		03/11/2113		03/11/2120		03/11/2140	
02/11/2096		03/11/2113		03/11/2120		03/11/2140		00/00/0000	
शनि	05/11/2080	बुध	01/04/2099	केतु	02/04/2114	शुक्र	05/03/2124	सूर्य	21/02/2141
बुध	16/07/2083	केतु	29/03/2100	शुक्र	02/06/2115	सूर्य	05/03/2125	चंद्र	22/08/2141
केतु	24/08/2084	शुक्र	28/01/2103	सूर्य	08/10/2115	चंद्र	04/11/2126	मंगल	28/12/2141
शुक्र	25/10/2087	सूर्य	04/12/2103	चंद्र	08/05/2116	मंगल	04/01/2128	राहु	22/11/2142
सूर्य	06/10/2088	चंद्र	05/05/2105	मंगल	04/10/2116	राहु	04/01/2131	गुरु	07/12/2142
चंद्र	07/05/2090	मंगल	02/05/2106	राहु	22/10/2117	गुरु	04/09/2133		00/00/0000
मंगल	16/06/2091	राहु	18/11/2108	गुरु	28/09/2118	शनि	03/11/2136		00/00/0000
राहु	22/04/2094	गुरु	24/02/2111	शनि	07/11/2119	बुध	04/09/2139		00/00/0000
गुरु	02/11/2096	शनि	03/11/2113	बुध	03/11/2120	केतु	03/11/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 11 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।